By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C Madhubani



औद्योगिक क्रांति क्यों हुई?
(What led to Industrial Revolution?)

## औद्योगिक क्रांति के कारण:-

18 शताब्दी के मध्य तक बहुत से व्यवसायों में हस्तकला का ही प्रयोग होता था। शिल्पकार अपने हाथों से सुन्दर-सुन्दर चीजें तैयार करते थे। किन्तु औद्योगिक क्रांति की तैयारी अप्रत्यक्ष रूप से बहुत पहले ही हो रही थी और उनके अनेक सहायक तत्व थे:-

*1. जनसंख्या में वृद्धि:- अठारहवी सदी के उत्तरार्द्ध तक यूरोप के देशों में आशातीत जनसंख्या वृद्धि हो गयी जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ जन-साधारण की दैनिक जीवन की आवश्यकताओं में भी वृद्धि दिनों-दिन होती जा रही थी। ऐसी परिस्थिति में लघु उद्योग व कुटीर उद्योगों के माध्यम से उत्पादित सामान जन साधारण के लिए पर्याप्त नहीं होता था। इस कारण वैज्ञानिक ऐसी साधनों की तलाश करने लगे जिनसे कि उत्पादन में वृद्धि हो सके। उनकी इन अभिलाषा को औद्योगिक क्रांति के सूत्रपात ने महान प्रेरणा प्रदान की।

*2. जीवन स्तर का उन्नत होना:- आज के समाज में मानव की दैनिक आवश्यकताओं की वृद्धि से प्रयोजन उसके जीवन स्तर से उन्नत होने से लिया जाता है। वे अब मोटे और खुरदुरे वस्त्र धारण न कर मुलायम और अच्छे रंगों से रंगित वस्त्र धारण करना चाहते थे। उन वस्तुओं का इस प्रकार का रूपान्तर मशीनों के माध्यम से ही हो सकता था।

इस कारण अब लघु उद्योगों का स्थान मशीनें लेने लगी। इन मशीनों के उत्पादन में भी वृद्धि हुई तथा साथ में वस्तुओं का मशीनीकरण भी सम्भव हो सका।

*3. यूरोप में साम्राज्यवाद का प्रबल होना:- फ्रांस के राज्य क्रांति ने समस्त यूरोप में राष्ट्रवाद को प्रबल बना दिया था। राष्ट्रवाद के प्रभाव से यूरोप के देशों में राष्ट्रीयता की भावना प्रबल दिखाई देने लगी और उन्होंने आस-पास व दूर के निर्बल देशों को अपनी साम्राज्यवादी क्षुधा का ग्रास बनाना आरम्भ किया। इस साम्राज्य के प्रसार का परिणाम यह निकला कि शक्तिशाली देशों को अपने पराधीन देशों से कच्चा माल पर्याप्त मात्रा में सुगमता से उपलब्ध होने लगा। इसके साथ ही यूरोप के शक्तिशाली एवं विकसित देशों को अपना उत्पादित सामान अपने ही उपनिवेशों में खपाने का अवसर मिल गया।

*4. व्यापारिक क्रांति:- व्यापारिक क्रांति का आरम्भ औद्योगिक क्रांति से पूर्व हो गया था। भारत में इंग्लैण्ड और फ्रांस की व्यापारिक कंपनियाँ स्थापित हो गयी थीं। यूरोप के देश, सूरस्पीन सोलहवीं सदी उत्तरार्द्ध से ही उपनिवेशीय व्यस्त हो गये। परन्तु उपनिवेशीय व्यापार की सफलता के लिए वस्तुओं का अधिक उत्पादन आवश्यक था। अतः व्यापारिक क्रांति ने भी औद्योगिक क्रांति को प्रेरणा प्रदान की।

*5. यातायात के साधनों का विकास:- आंतरिक व्यापार के विकास हेतु पक्की सड़कों का निर्माण आरम्भ हो गया था। परन्तु कुतुबनुमा के आविष्कार के उपरान्त पुर्तगाल

व स्पेन समुद्री मार्गों की खोज में भी जुट गये। समुद्री मार्ग के विकसित हो जाने पर व्यापार का क्षेत्र विस्तीर्ण हो गया और व्यापार का क्षेत्र विस्तृत हो जाने पर अधिक उत्पादन आवश्यक हो गया। इस अधिक उत्पादन हेतु विशाल यंत्रों का सहारा लिया गया।

* 6. शिक्षा का विस्तार :- शिक्षा के प्रसार से जनसाधारण के ज्ञान का विकास हुआ। वे अब मध्यकाल की भाँति अल्पशिक्षित भी नहीं रहे। छापेखाने के आविष्कार ने शिक्षा प्रसार के ज्ञान की रश्मियाँ विकीर्ण के महान सहयोग दिया।

* 7. वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार :- विशाल यंत्रों का निर्माण विज्ञान की सहायता से ही सम्भव हो सका। टेक्नोलॉजिकल प्रगति पदार्थ विज्ञान से ही संभव हो सकी। इसके अलावा रसायनशास्त्र से भी उस समय अच्छा विकास हुआ। इससे वस्त्रों को रंगने का ज्ञान उपलब्ध हुआ। वस्त्रों के रंगने के अलावा रसायन शास्त्र की सहायता से ही लोहा व इस्पात का उत्पाद संभव हो सका और विशाल यंत्रों का निर्माण इस्पात व लोहे से संभव हो सका। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि औद्योगिक क्रांति का प्रसार विज्ञान ने ही किया।

* 8 शक्ति के साधन :- लकड़ी की गर्मी से लोहा पिघलाना अति दुष्कर कार्य था परन्तु जब कोयले की खाने खोदी जाने लगी तो पत्थर के कोयले की गर्मी से कच्चा लोहा गलाया जाने लगा और उससे निर्मित इस्पात यंत्रों का होने लगा।

* 9. व्यापारी वर्ग :- यूरोप में आधुनिक युग के आरम्भ होते ही व्यापारी वर्ग भी पनपने लगा। सामंतवाद के समाप्त हो जाने से व्यापारी वर्ग धनी, प्रभावशाली एवं महान साहसी

के संरक्षण में पनपने लगा। अपने शासक के शक्तिशाली होने पर वे निः संकोच एवं निर्भीक होकर विदेशों में जाकर व्यापार करने लगे इससे व्यापारी वर्ग दिन पर दिन धनी होने लगा और वह अपने धन को बड़े कारखानों की स्थापना में लगाने लगा।

10. फ्रांस की राज्य क्रांति:- फ्रांस की राज्य की क्रांति ने एक ओर तो संहार का विभत्स दृश्य प्रस्तुत किया गया तथा दूसरी ओर औद्योगिक क्रांति के विकास का समुचित क्षेत्र प्रदर्शित किया फ्रांस की राज्य क्रांति से उत्पन्न होने वाले युद्ध के मध्य नेपोलियन ने अपने पड़ोसी राष्ट्रों के उद्योग-धन्धो को नष्ट कर दिया था।